

समाज में सेवा भारती की प्रतिष्ठा स्थापित हुई है। संस्था के निरन्तर सेवा कार्य में समाज की सज्जनशक्ति, हितचिंतकों का बड़ा योगदान रहता है। हितचिंतक सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि समाज में सेवा के नाम पर कई अव्याजित स्वयंसेवी संस्थाएँ चल रही हैं और सिर्फ कमाने-खाने के लिए सरकारी संसाधनों का उपयोग करते हैं। स्वयं का स्वास्थ त्याग कर सेवा कार्य करने से सही मायने में समाज का उत्पन्न होगा। मौके पर सेवा भारती के संरक्षक डॉ. एचपी नारायण ने सेवा कार्य के लिए उत्प्रेरित किया। कार्यक्रम में सेवा भारती की वार्षिक उपलब्धियों को साक्षात् करते हुए संस्था के सचिव ऋषि पाण्डेय ने बताया कि सेवा कार्य से बस्ती परिवर्तन हुआ है। पिछड़े वर्गों में शिक्षा, संस्कार, आरोग्य के प्रति जागृति आई है और स्वावलंबन की दृष्टि से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है।

JAMSHEDPUR : आंध्र एसोसिएशन, कदमा ने अपने शताब्दी वर्ष (1926-2026) के उल्लेख में रविवार को बिष्टुपुर स्थित माकल जॉन आर्बोटेरियम में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। सांस्कृतिक संध्या में कोलकाता से आए प्रसिद्ध समूह 'श्री शंकर नारायणस्वामी लयाविन्याय' ने संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालनवाई. रमन ने गरिमापूर्ण ढंग से किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्य, अजीवन सदस्य, गणभाष्य अतिथि और विभिन्न तेलुगु संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि डी. बी. शैलजा सुंदरमन, ट्यूटी और एसोसिएशन के अध्यक्ष ने दी। पञ्चजन से शैलजा सिंहकर, बड़े बाद गणेश वंदना के माध्यम से कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। अध्यक्ष और मुख्य अतिथि ने स्वागत भाषण देते हुए एसोसिएशन की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला। महासचिव ने कार्यक्रम के कलाकारों का परिचय कराया। समारोह के दौरान पहलवान आतंकवादी हमलों में शहीद हुए लोगों की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिटन का मौन भी रखा गया।

BRIEF NEWS

दहेज के लिए हत्या के फरार आरोपियों के घर पुलिस ने की कुर्की जब्ती

ARARIA : फारबिसगंज थाना पुलिस ने रविवार को हरिपुर गांव में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या के मामले में फरार आरोपितों के घर कुर्की जब्ती की फारबिसगंज थाना पुलिस ने यह कार्रवाई थाना में दर्ज प्राथमिकी अभियुक्त मोहम्मद जमशेद पिता मोहम्मद शमीम, मोहम्मद शमी पिता स्वर्गीय मनीचर, मोहम्मद परवेज पिता मोहम्मद शमीम, जमरून पति शमीम, साजन खातून पति मोहम्मद इरशाद, मोहम्मद इरशाद पिता मोहम्मद सिराजुल, मोहम्मद अख्तर पिता मोहम्मद जहीर के घर में न्यायालय के आदेश पर कुर्की जब्ती की। कुर्की कार्रवाई के दौरान फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह, एसआई कुमारी बबिता, कार्रवाई के दौरान पुलिस बल की तैनाती के बीच घरों के समानों और दरवाजा खिड़की सभी समानों की कुर्की की गई।

प्रचंड गर्मी को लेकर लोगों में किया गया घड़े का वितरण

BHAGALPUR : मां अन्नदाई संस्था की ओर से अत्यधिक तेज धूप और प्रचंड गर्मी को देखते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रविवार को कोतवाली चौक स्थित कृपेश्वर धाम मंदिर में जरूरतमंदों के बीच घड़ा, खाद्य सामग्री और नूट एवं पुराने कपड़ों का वितरण किया गया। संस्था की संस्थापिका प्रिया सोनी ने कहा कि जरूरतमंदों के लिए इस समय यह घड़ा अमीर व्यक्तियों के किसी फ्रिज के उपयोगिता से काम नहीं होता है। यह प्राकृतिक एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत लाभदायक होता है। प्रिया सोनी ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने घर में फ्रिज का कम उपयोग कर पानी पीने के लिए घड़े का उपयोग करें। ताकि कई तरह के बीमारियों से बच सकें। आज के इस आयोजन में संस्था की संस्थापिका प्रिया सोनी के साथ-साथ संस्था के सभी सदस्यों ने अपनी भागीदारी निभाई।

खलिहान में गेहूँ के बोझा में लगी आग हजारों का नुकसान

NAVADA : नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के दरावां गांव में रविवार को किसान के खलिहान में रखे गेहूँ के बोझा में अचानक आग लग गई, जिससे हजारों रुपये का गेहूँ जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार किसान पवन यादव के खलिहान में रखे गेहूँ के फसल में अज्ञात अपराधियों द्वारा अचानक आग लगा दिए जाने से गेहूँ जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से किसी तरह काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पीड़ित किसान पवन यादव का आरोप है कि अग्निशमन विभाग को सूचना देने के बावजूद भी अग्निशमन टीम नहीं पहुंची, जिससे लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर किसान को मुआवजा नहीं मिला तो सड़क जाम आंदोलन शुरू कर देंगे।

अखिल भारतीय पासी समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम को पूर्व डिप्टी सीएम ने किया संबोधित

हमारी सरकार बनते ही शराबबंदी कानून से अलग होगी ताड़ी : तेजस्वी

AGENCY PATNA : पटना के श्रीकृष्ण स्मारक भवन सभागार में रविवार को अखिल भारतीय पासी समाज की ओर से ताड़ी व्यवसायियों का महाजुटान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शिरकत की। उन्होंने पासी समाज के कार्यक्रम में कहा कि हमने कई बार कहा कि इस ताड़ी को शराब से अलग कर दीजिए। लेकिन सीएम नीतीश ने मेरी बातों को नहीं सुना। कहा कि यही कारण है कि आज यह समाज अपराधियों के रूप में ही जाना जाता है। आप लोगों की स्थिति क्या है आप लोग 76% भूमिहीन हैं। 2025 में हम लोग सबसे पहले अपनी सरकार बनाएंगे और जैसे ही हमारी सरकार बनेगी तो इस ताड़ी को शराबबंदी कानून से अलग करने का काम करेंगे। वहीं, कार्यक्रम शुरू होने के पहले जब राजद नेता उदय नारायण चौधरी मंच पर पहुंचे, तो अचानक उनकी कुर्सी टूट गई और वो गिर पड़े। फिर आसपास मौजूद नेताओं ने उनको संभाला।



2016 से ताड़ी पर लगा है प्रतिबंध

इस महाजुटान का मुख्य उद्देश्य ताड़ी व्यवसायियों की समस्याओं को उजागर करना और उनके हक के लिए आवाज उठाना था। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि ताड़ी और शराब दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। 2016 में जब बिहार में शराबबंदी कानून लागू किया गया, तो शराब के साथ-साथ ताड़ी पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस फैसले से हजारों ताड़ी व्यवसायी, विशेष रूप से पासी समाज के लोग, गहरे संकट में आ गए। ताड़ी व्यवसायियों की इसी पीड़ा को सामने लाने के लिए यह महाजुटान आयोजित किया गया, ताकि सरकार तक उनकी आवाज पहुंचाई जा सके और ताड़ी को शराब से अलग मानते हुए व्यवसाय को फिर से वैधता दी जाए।

सम्राट चौधरी पर तेजस्वी ने बोला हमला



तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि सम्राट चौधरी आज लालू प्रसाद यादव और उनके ऊपर बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि उन्हें राजनीति में स्थापित करने का श्रेय स्वयं लालू प्रसाद यादव को जाता है। तेजस्वी यादव ने कहा, सम्राट चौधरी को लालू जी ने मंत्री और विधायक बनाया था। आखिरी बार जब वह चुनाव लड़े थे, तब भी हमारी पार्टी (राजद) से ही जीते थे। आज जो लोग बीजेपी में हैं, वे ताबड़तोड़ बयानबाजी कर बस तेल-मालिश करने का काम कर रहे हैं। राजनीति में ये लोग पिछले दरवाजे से आए हैं। लालू जी का नाम लिए बिना इनकी रोजी-रोटी नहीं चल सकती।

दिलीप जायसवाल के बयान पर पलटवार



तेजस्वी यादव ने दिलीप जायसवाल के बयान का भी करारा जवाब दिया। दिलीप जायसवाल ने कहा था कि तेजस्वी यादव सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने कहा, हम अपने सपनों को हकीकत में बदलने जा रहे हैं। यही मेरा जवाब है उन्हें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में आतंकवाद के खिलाफ दिए गए बयान पर तेजस्वी यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा, जो आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने का कार्य करेंगे, हम उसके साथ हैं।

नाले में गिरकर युवक की मौत, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

BHAGALPUR : जिले के बरारी थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर गांव में एक युवक की नाले में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शहजादा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शहजादा बीते शाम घर का सामान लाने के लिए निकला था लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने रात भर उसे तलाशा लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने जब नाले में शव देखा तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान होने के बाद परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। शहजादा की पत्नी बीबी अफसाना ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

खेलो इंडिया के तहत आयोजित तीन दिवसीय 'मशाल' कार्यक्रम संपन्न

AGENCY NAVADA : खेलो इंडिया के तहत आयोजित 'मशाल' का तीन दिवसीय आयोजन अँकरी में संपन्न हो गया। उच्च माध्यमिक विद्यालय अँकरी में विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन रविवार को संपन्न हो गया। शिक्षा व खेल विभाग बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं मशाल का समापन किया गया। उच्च माध्यमिक विद्यालय अँकरी के प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. गोपाल प्रसाद ने बताया कि नोडल शिक्षक अजाद कुमार एवं उनके सहयोगी शिक्षक शशि भूषण कुमार, पूजा कुमारी, शमा अफसर एवं तसनीम कौसर के नेतृत्व में



यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। उल्लेखनीय है कि 'मशाल' के अंतर्गत होने वाले खेलों में एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, साइकिलिंग, वॉलीबॉल, ऊँची कूद, लंबी कूद आदि में विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पच्चीस से सताइस अप्रैल तक चलने वाली इस खेल प्रतियोगिता में कई जनप्रतिनिधियों

सहित ग्रामीणों एवं अभिभावकों का पूरा सहयोग मिला, जबकि छात्र-छात्राओं में एथलेटिक्स में जहाँ संगम कुमारी, रिपल कुमारी, राजनंदिनी कुमारी, माणिक मोहित, सोनू कुमार एवं नीतीश कुमार ने बाजी मारी, वहीं लंबी कूद में छात्र में प्रतीक कुमार एवं छात्रा में मुस्कान कुमारी ने अपना स्थान बनाया।

नेपाल पुलिस ने जब्त की भारतीय नंबर की कार, तस्करी के लिए किया जाता था प्रयोग

AGENCY DEHRI-ON-SON : अररिया 27 अप्रैल(हि.स.)। जोगबनी सीमा पार नेपाल में नेपाल सशस्त्र पुलिस बल ने रविवार को कार्रवाई करते हुए भारतीय नंबर की चोरी की कार को जब्त किया नेपाल सशस्त्र पुलिस बल रानी गुल्म के डीएसपी ऋषिकेश राउत ने गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की। उन्हें सूचना मिली थी कि भारतीय नंबर के चोरी के वाहन पर अलग नंबर लगा कर तस्करी के बहुमूल्य सामग्री को लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर डीएसपी ऋषिकेश राउत के द्वारा सीमा पार करते ही कार को जब्त किया गया। जांच में सामने आया कि यह चोरी की गाड़ी जोगबनी के महाराष्ट्र / गुजरात ट्रांसपोर्ट का है और उक्त ट्रांसपोर्ट कंपनी को जोगबनी के दिलीप चौधरी द्वारा संचालित किया जाता है। इस कार से दिलीप चौधरी द्वारा



ट्रांसपोर्ट के अवैध गतिविधि को संचालित करने के उद्देश्य के साथ चोरी के कार से विराटनगर भंसार कार्यालय के परिसर से बहुमूल्य सामग्री की तस्करी किया जाता रहा है। मामले की पुष्टि करते हुए सशस्त्र पुलिस बल रानी गुल्म के प्रमुख डीएसपी ऋषिकेश राउत ने कहा कि भारतीय नंबर की कार संख्या डब्ल्यू 74 एस 1462 को सूचना के आधार पर जब्त किया गया है। गाड़ी के कागजात में रहे इंजन और चेचिस का नंबर और कार के इंजन चेचिस का नंबर अलग अलग है। जिस कारण गाड़ी को जब्त किया गया है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में तिरंगा के साथ लोगों ने निकाली यात्रा

AGENCY PATNA : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में रविवार को बिहार के मुंगेर जिले में मुंगेर विजय चौक प्रबंध समिति और मुंगेर सेवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में 100 फीट लंबा तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान भारत की एकता और अखंडता का संदेश दिया गया और आतंकवाद के खिलाफ जवाबदस्त विरोध प्रदर्शन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नगरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने भाग लिया।यात्रा की शुरूआत बेकापुर स्थित विजय चौक से हुई। इसके बाद यात्रा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद चौक, बाजा पट्टी, मुख्य बाजार, गांधी चौक, राजीव गांधी चौक, आजाद चौक और लोहा पट्टी होते हुए पुनः विजय चौक पर समाप्त



हुई। पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण गुंज उठा।यात्रा के समापन पर उपस्थित लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार

नारेबाजी की और सरकार से आतंक के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की। आयोजनकाराओं ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा आतंकवाद के खिलाफ देशवासियों की एकजुटता और शहोदों को श्रद्धांजलि देने का प्रतीक है।

मादक पदार्थ के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 166.101 किलो गांजा बरामद

AGENCY BHAGALPUR : जिले के मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने 166.101 किलो गाँजा एवं 01 बाइक बरामद किया है। उक्त आशय की जानकारी रविवार को सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने दी। सिटी एसपी ने बताया कि वरिय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार विशेष समकालीन अभियान के तहत अवैध शराब, आर्म्स, मादक पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए सघन गश्ती एवं चोरी और छिनतई के हॉट स्पॉट पर छापेमारी की जा रही है। इस क्रम में छापेमारी दल द्वारा बीते रात्रि मधुसुदनपुर थाना अंतर्गत ग्राम बेल्खोरिया के समीप बगीचे से गुप्त सूचना के आधार पर 166.101 कि॰ग्रा॰ गाँजा एवं 01 बाइक बरामद किया गया। इस संबंध में मधुसुदनपुर थाना में सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर



अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल सफदर अली थानाध्यक्ष, मधुसुदनपुर थाना, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, रवेश कु. सिंह, सिपाही संध्या, गुहरक्षक नवलकिशोर पासवान एवं सुधीर प्रसाद मंडल शामिल रहे।

AGENCY EAST CHAMPARAN :

जिले के रक्सौल में दलित बस्ती में लगी भीषण आग में दर्जनों घर जलकर राख हो गये। बताया जा रहा है कि तेज हवा के बीच लगी आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई घर इसकी चपेट में आ गए। आग लगने की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को दी। मौके पर अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां पहुंची और भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल पुलिस व एसएसबी के जवान भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में स्थानीय लोगों की मदद की। अगलगी की इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। स्थानीय निवासी चंद्रिका मलिक ने बताया कि बस्ती में कई घरों में शादियों की तैयारियां चल रही थीं।



शादी के लिए खरीदे गए कपड़े, गहने और अन्य सामान भी आग की भेंट चढ़ गए। उन्होंने बताया कि सभी लोग शादी की तैयारियों में व्यस्त थे, तभी अचानक आग ने सबकुछ तबाह कर दिया। अंचलाधिकारी शेखर राज ने बताया कि अगलगी की सूचना मिलते ही हल्का कर्मचारी को

मौके पर भेजा गया है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जिसके बाद प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद बस्ती में अफरा-तफरी और मायूसी का माहौल है।

बॉलीवुड सहित रियलिटी शो के नामचीन कलाकार प्रोग्राम में करेंगे शिरकत

मजदूर दिवस पर संगीत संध्या कार्यक्रम का होगा आयोजन

AGENCY ARARIYA : अररिया जिला पत्रकार संघ की ओर से मजदूर दिवस के मौके पर 01 मई को अररिया कॉलेज स्टेडियम में आयोजित एक शाम पत्रकारों के नाम संगीतमय संध्या में बॉलीवुड सहित टीवी के रियलिटी शो के नामचीन कलाकार भाग लेंगे। जिला पत्रकार संघ की ओर से इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। अररिया कॉलेज स्टेडियम में मंच सहित रैम निर्माण और बांस की बेरीकेडिंग का कार्य इवेंट मैनेजमेंट में लगे संघ के सदस्य कर रहे हैं। जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेश भगत उर्फ मंदू भगत, सचिव अमित कुमार अमन और कोषाध्यक्ष रमेश कुमार ने संयुक्त रूप से प्रेस क्लब भवन में



रविवार को यह जानकारी दी। कार्यक्रम की तैयारी और समीक्षा को लेकर प्रेस क्लब भवन में मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें स्थल पर सुरक्षा, सीटिंग अरेंजमेंट, कलाकारों के आगमन और ठहराव सहित अन्य

मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक उपरांत कार्यक्रम के प्रचार प्रसार को लेकर रथ की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वरिष्ठ पत्रकार परवेज आलम, लक्ष्मी

प्रसाद नायक, विष्णुदेव झा बेदी, फूलेंद्र मल्लिक, आमोद शर्मा, सुब्रत सिन्हा सहित अन्य पत्रकारों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार भगत ने बताया कि इस कार्यक्रम में 80 के दशक

के मशहूर गायक शब्बीर कुमार,दिलीप सेन,फिल्म अभिनेत्री पुनम झावर,मैथिली सहित दर्जनों हिन्दी अलबम की नामचीन गायिका प्रिया मल्लिक, टीवी शो सूर संग्राम के उप विजेता अमर आनंद, प्रिया राज सहित अन्य कलाकार अपनी प्रसृति देगी। कार्यक्रम को लेकर युद्धस्तर पर तैयारी की जा रही है और कार्यक्रम में इट्टी केवल पास पर की गई है।पास प्राप्त संगीत प्रेमी ही कार्यक्रम का लुत्फ उठा पायेंगे। संगीत प्रेमियों के लिए स्टेडियम पांच हजार से अधिक की सीटिंग कैपेसिटी रखी गई है।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

AGENCY EAST CHAMPARAN :

जिला के पकड़ीदयाल थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी किये गये तीन वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद करते हुए बच्चा और चोर गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पुछताछ में बच्चों को चोरी कर बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि 15 अप्रैल को पकड़ीदयाल के दर्जी मोहल्ला निवासी मो.सहीम आलम का तीन वर्षीय गुलाम रसुल लापता हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही पकड़ीदयाल एसडीपीओ मोहिबुल्लाह अंसारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया



गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घुमंतु जाति के लोगों की भूमिका की जांच शुरू किया, जो घटना के बाद से अपना ठिकाना बदलकर पकड़ीदयाल से भाग गये थे। हालांकि पुलिस ने छापेमारी करते हुए 26 अप्रैल को इस गिरोह के एक सदस्य को घर दबोचा, जिसकी निशानदेही पर

सीतामढ़ी जिला के बेलसंड थाना क्षेत्र से अग्रहत बच्चा गुलाम रसुल को सकुशल बरामद कर लिया गया। इस मामले में घुमंतु जाति के तिलसकरी देवी, मोहन देवी, अमृत करोड़ी, लालपट्टी, छापेमारी करते हुए 26 अप्रैल को इस गिरोह के एक सदस्य को घर दबोचा, जिसकी निशानदेही पर

Munir’s backward march: When rant fuels hate

After the havoc inflicted by Covid-19 — and the continuing damage wrought by climate and conflict — at a G20 assembly not too long ago, here in India, there was a synchronised clarion call: "The world is one — one planet, one people, unity in diversity." It resonated. It then seemed that it would take a peculiar kind of person to preach division. As we now know, it did not take long for a Munir to surface. And yet, Pakistan's Army Chief, Asim Munir, in invoking the ghost, has done precisely that. With chilling certainty, he claimed that "our ambitions, traditions, customs are different from Hindus" and thatWhat he fails to grasp — or perhaps fears to admit — is that while traditions and customs may vary, the essence of humanity does not. Beneath the robes of religion, the veils of culture and the uniforms of power, we are the same species — seeking dignity, safety and meaning. When a man is possessed by the accident of his birth, he becomes not a leader but a prisoner — bound not by reason, but by the myth of blood. Munir is not leading his people into the future; he is marching them backward, into history's darkest corners, where identity was weaponised and difference made deadly. If there is any shred of doubt, rewind not only what happened in Pahalgam — dastardly in itself — but also the sequence, the actions, the utter disregard for every value espoused by the holy book.To divide humanity along lines drawn by history's most violent architects is to reject the soul's greatest truth: that we are born not as nations, not as faiths, but as humans.Let us be clear: this is not a critique of faith, culture or pride in one's heritage. These are deeply personal — often beautiful — aspects of human identity. But when wielded by men in uniform to justify division, to foster suspicion, or to draw arbitrary lines of "us" and "them," they become tools of tyranny, not tradition.Strip away the uniform, the rhetoric, the rehearsed pride and you'll find a man just afraid to be free of his illusion.The subcontinent has paid in blood for these illusions. The Partition tore through families, friendships and centuries of shared existence. To echo its logic in 2025 is not only irresponsible, it is dangerous. Munir's words are not merely outdated; they are an assault on the progress that millions have fought for.Unless it is his intention to do another — in line with his ilk: first in 1947, then in 1971 by Yahya Khan in East Pakistan, and now in 2025. God knows what his target is for his imagined hat-trick.Michael Rubin, a former Pentagon official, used a blistering metaphor referring to Pahalgam: "It was shocking, but this just goes to show you that you can put lipstick on a pig, but it's still a pig. You can pretend that Pakistan isn't a terror sponsor, but it remains a terror sponsor, no matter how much we try to normalise."He went further: "The only difference between Osama bin Laden and Asim Munir is that bin Laden lived in a cave and Munir lives in a palace. Beyond that, they are the same," Rubin told ANI, calling for strict action against Pakistan.

The people of South Asia deserve more than this. They deserve leaders who dare to see beyond inherited hatred — who recognise that difference is not a threat, but a strength. And that peace does not come from separation, but from understanding. If Munir has a plan, he should hear the voices of the teeming millions in his streets, who have long lived on the wrong side of the guns-and-butter divide.Let this moment serve as a mirror for the people of Pakistan. Munir, apparently questioned by veterans over his ineptitude in handling internal threats or eminently jealous of the goings-on in Kashmir, was playing a fear card. His tirade — laced with incendiary language and a call to reclaim lost dignity — circulated widely online. He was perhaps smarting from an internal threat — internally abetted. Time will tell.The global response was swift and mournful. US President Donald Trump called it "a crime against humanity." Russia's Vladimir Putin condemned it as "a brutal and unforgivable act." Former UK Prime Minister Rishi Sunak mourned "lives stolen in joy and innocence," while South Korea, the UAE and Nepal, all issued statements of solidarity, denouncing the attack in unequivocal terms.

As the Valley unites, the nation must listen

A lesser-known reason for the historical alienation of the Valley from the rest of the country has been the apathy of the national civil society towards Kashmir.

After being shell-shocked by the massacre in the meadows of Pahalgam, the people of Kashmir have risen up and responded in one voice against the inhuman carnage. It has been very encouraging to see that not just politicians, business associations, professional bodies but also apolitical motely groups of men and women come onto the streets to sympathise with the victims and stand firmly against the crime committed against humanity. Indeed, it has been seen as a criminal act against Kashmir and Kashmiris. Rarely, if ever before, has such a show of solidarity been put up so spontaneously. The entire Valley has revolted against the killings and how. Right across the Valley, from Kulgam to Kupwara, and from Shopian to Sopore, people have been unequivocal in their condemnation of the killings of the 26 tourists. Srinagar, of course, was on the forefront of all the condemnation gatherings. Silence is now seen as condoning. That precisely is the sentiment in the nooks and corners of the Valley. The solidarity with the people in the rest of the country has been exceptional. Sad that it isn't getting enough traction on the social media, which is fuelling unvarnished toxicity. The elected state government, on its part, apart from reacting to the situation, having been caught completely off guard, has also in a rare gesture of proactive consensus-building sought the convening of a session of the local Assembly to discuss the massacre of civilians and the way forward. This is a significant step towards not only articulating and endorsing the Kashmiri viewpoint but also seeking to build a political consensus on limiting the fallout of the terrorist attack.

The spontaneous response of the people and the efforts of the local political class represent the green shoots of a people's movement for peace. This could be the turning point because till now, civil society has looked up to the state to lead the way. This time around, it is being led by not just the institution of civil society but also people from all walks of life. This nascent movement needs to be consciously developed into an institutionalised peace movement of the civil society of the Kashmir. It must be increasingly assimilated deeper into the society, especially the younger generation. More than the government, it is the civil society that needs to respond, cutting across political parties and ideologies. The base of the new narrative has to be set by the institutions of civil society. The public expression of rejection of violence this time around is being done in the belief that it is blatantly violating the values and norms, indeed the value system of Kashmiris. If persisted with and nurtured carefully, it will, over time, build a network of social connectedness between the civil society institutions, transcending the boundaries of the Valley. Indeed, a lesser-known reason for the historical alienation of the Valley from the rest of

the country has been the apathy of the national civil society towards Kashmir. While the trade and commerce networks, including tourism, have played a key role in integrating the Valley, it has been the social disengagement of the rest of the country with Kashmir that led to alienation. The efforts to politically disengage from the Indian state during the 1990s was a consequence, not the cause. To take the argument to a different level,

generates incomes, but over the years, it also builds robust and enduring social connectedness with the rest of the country. Indeed, travel and tourism are a peace industry. Historically, in Kashmir, tourists have been harbingers and ambassadors of socio-economic integration with the mainland and respectful of human differences and cultural diversity, which has resulted in revitalisation and regeneration of native cultures. Kashmiris can survive



when causative factors and prescriptive ideas for the Kashmir problem are sought, the focus always is on the Indian state, as in the Union government. This has been done without putting it in a larger societal context and the role of civil society in creating and furthering the problem in Kashmir. Or, at the very least, in not helping resolve the matter. The limits to state action are obvious. In the context of this apathy of the past, the antagonism that is on display in some pockets of the country is not only disturbing but also detrimental in the long term. The harassment of Kashmiris, especially the younger generation — the students — in many states will nip the emerging people's peace initiative even before it gains any traction. This cannot be the way forward for anyone. The Union and all state governments must step in and decisively quell these fringe elements from gaining the centre-stage of a negative narrative. The reaction of the masses in the Valley should make it clear to everyone that Kashmiris have never treated tourists as ATMs for their trade and tourism enterprises. Their presence, of course,

without incomes from tourism but they cannot live in social isolation in Kashmir amid ostracisation in the rest of the country. This is not to minimise the damage that even episodic bouts of violence can do to the economy of the Valley, which is primarily an import-substituting export-oriented one. Within an hour of the massacre at Pahalgam getting known across the globe, foreign investors who had over the last couple of years made a careful foray into the Valley in small startups and enterprises were concerned about the situation in the Valley. The response of the domestic investors, who according to official data have submitted proposals worth nearly Rs 1.75 lakh crore, may not be as instantaneous, but it will not be very different if such episodes of violence reoccur. This is bound to lead to economic distress. Today, India, both as a polity and society, is battling it out to recalibrate its foundational balance as a nation. Kashmir played a distinctive role in the construct of a post-colonial Indian nationhood. Even now, despite its bruised identity.

Beyond visits

Fix what failed in Pahalgam

THE visit of Army Chief Gen Upendra Dwivedi to Kashmir on Friday in the aftermath of the Pahalgam terror attack — which left 26 persons dead — is a symbolic assertion of military resolve. Yet, for a region that has endured decades of tragedy, symbolism must now yield to accountability. The brazenness of this attack, carried out in a zone long considered relatively safe and with no prior intelligence alerts, has reignited public outrage and shaken faith in the system's preparedness. Prime Minister Narendra Modi's swift intervention — cutting short his foreign visit to respond to the crisis — and Union Home Minister Amit Shah's hospital visit to meet the injured underscore the gravity of the moment. But, optics, however sincere, cannot substitute for systemic reform. J&K Lt Governor



Manoj Sinha's call to "hunt down every perpetrator" only satisfies a short-term need for reassurance. The questions in everybody's minds are pointed: Why were

there no troops in a region of vulnerability? What were the intelligence agencies doing? And how did terrorists so easily penetrate the security apparatus? These queries demand transparent answers — not just public statements but a plugging of the holes exposed by this attack. As General Dwivedi reviews operational coordination among the security forces, what Kashmiris — and the nation — seek is more than just a reactive tightening of protocols. The crisis must prompt a reimagining of intelligence-sharing mechanisms, faster response frameworks and ownership of security outcomes. In Kashmir, the stakes are always high — militarily, emotionally and politically. For those who lost loved ones in Pahalgam, national resolve means little unless it translates into real change. Boots on the ground must now be matched by a willingness to confront uncomfortable truths — and correct them.

The messages from Baisaran

THE GREAT GAME: Kashmiris are telling Pakistanis to not just mind their business, but to back off

The drumroll of death at Pahalgam, the staccato rollcall of people from small-town India who fell to the bullets of terrorists this week is enough to send shivers down the spine of the worst cynic. Shivamogga. Panvel. Visakhapatnam. Nellore. Thane. Karnal. Hyderabad. Bhavnagar. Tajang village in Lower Subansiri. Kozhikode. From Kashmir to Kanyakumari, we are told from the day we are born, India is one. If the 2008 Mumbai attacks were intended to bring India's financial centre, and therefore India, to its knees, the message from the perpetrators at Baisaran is simple. Don't try and normalise Muslim-majority Kashmir, it's the heart of the two-nation theory, valid at the Partition and still applicable today. Hindus and Muslims are different and must live separately. So don't for one moment think that Kannadigas and Malayalis and Maharashtrians and Gujaratis and Haryanvis can run around the meadows of Kashmir and pretend they are in Switzerland — admittedly, this is far prettier than Switzerland — just because the Modi government has trashed Article 370 into the dustbin of history and sought to reframe its present. But if you think about it, the message from Baisaran is really quite different. The manner in which Kashmiris have risen up to condemn this awful massacre, from Omar Abdullah to the family of pony-rider Syed Adil Hussain Shah — who wrenched the gun from the hands of a terrorist who then turned it upon the poor daily-wager — thereby sending the unequivocal message, that they would any day of the week seek peace over those pretenders pushing the cause of separateness. For the first time in 35 years since the exodus of the Kashmiri Pandits and all those years of insurgency that followed, when cries of "azaadi!" rang across the Muslim-majority valley, Kashmir's Muslims are once again spitting upon the debris of the so-called "two-nation theory." They did it first in 1947, angering the



newly independent Pakistan, who sent the Raiders in. They did it in 1999, tipping off the Indian Army about intruders at Kargil. They are at it again today. The truth is that the very rude revocation of Article 370 in 2019, that spelt long periods of incarceration for many as well as the vulgar violation of their constitutionally-guaranteed rights, has given ordinary Kashmiris just a little breathing space. At last, mothers and children can experience the ordinary but precious freedom of sitting openly in parks and discuss the day's events. Kids are going to school again — and the walls of the school are so low you can see them playing football inside. Women in full, black hijab sit and share ice-cream with male friends on the banks of the Jhelum in Srinagar. The rest of Hindustan is flocking to Amir Khusrau's jannat — as

many as two crore tourists last year. For the moment, the debates about self-respect and autonomy and the often-fraught relationship between Srinagar and Jammu and Delhi, must be pushed to the back of the mind. Those debates are very much alive and won't be forgotten — led by the fact that J&K has still not been given its statehood seven months after a hugely peaceful election. For the moment, though, as they mourn with the rest of the country, Kashmiris are telling Pakistanis to not just mind their business, but to back off and leave them alone. Notice, too, the reaction within Pakistan. Deputy Prime Minister and Foreign Minister Ishaq Dar has been fielded in the foreign media to defend India's charge that the terrorists are Pakistani. He ends his denial by saying that the real issue is that the "Kashmir question" is an

international one and must be resolved in accordance with the 1949 UN resolutions. Perhaps Dar didn't notice that the Kashmiris resolved the question for him earlier this week, by participating in protests and vigils against the Pahalgam massacre which began and ended with "Not in my name." The Pakistani media is also reporting that this is a "false flag operation," meaning, the Indians did it to themselves to distract from the Modi government's problems at home. One wonders how the Mumbai attacks would have played out if Ajmal Kasab had not been caught. In any case, there's been no movement on bringing the Mumbai guilty to justice. It's been 17 years but those masterminds still roam free in Pakistan. Still, a new chapter of the great game is already unfolding. As India and the US come closer together, it is worthwhile to note that Beijing has still not condemned the Pahalgam attack, except for a tweet by the Chinese ambassador to India. Clearly, the Chinese are watching as the phone lines burn in different quarters of the globe. As its stock market crashes, Pakistani will be hoping the US can restrain Modi; while Modi is likely telling Trump why he wants to give Pakistan a bloody nose. When he will do that, how much further he will go beyond the 2019 Balakot strikes and whether anyone cares to spare a thought for ordinary people caught in the trauma of the world's oldest cross-border tangle — are some of the stories The Tribune's reporters are reporting these days. Some of the most heart-rending are stories of children from cross-border marriages — the wives are Indian nationals, but the husbands are Pakistani — how they are caught in a no-man's land that rivals the ridiculousness of Toba Tek Singh. Perhaps the one jewel afloat in the darkness of our times is the fact that the Kartarpur Sahib corridor that leads to Kartarpur Sahib is still open — so far.

Mcap of six of top 10 valued firms soars by Rs 1.18 trillion; TCS biggest gainer

New Delhi. The combined market valuation of six of the top-10 valued firms soared by Rs 1,18,626.24 crore last week, with Tata Consultancy Services stealing the show with maximum gains. Last week, the BSE benchmark gauge climbed 659.33 points or 0.83 per cent, and the NSE Nifty went up by 187.7 points or 0.78 per cent. Reliance Industries Ltd, HDFC Bank, Tata Consultancy Services (TCS), State Bank of India, Infosys and ITC were the winners, while Bharti Airtel, ICICI Bank, Bajaj Finance and Hindustan Unilever took a hit in their valuation. The market valuation of TCS surged by Rs 53,692.42 crore to Rs 12,47,281.40 crore, the most among the top 10 firms. Reliance Industries added Rs 34,507.55 crore taking its valuation to Rs 17,59,276.14 crore. The market valuation of Infosys jumped Rs 24,919.58 crore to Rs 6,14,766.06 crore and that of HDFC Bank rallied by Rs 2,907.85 crore to Rs 14,61,842.17 crore. State Bank of India's market capitalisation (mcap) climbed Rs 1,472.57 crore to Rs 7,12,854.03 crore. The mcap of ITC went up by Rs 1,126.27 crore to Rs 5,35,792.04 crore. However, the valuation of Bharti Airtel tumbled by Rs 41,967.5 crore to Rs 10,35,274.24 crore and that of Hindustan Unilever by Rs 10,114.99 crore to Rs 5,47,830.70 crore. The market valuation of Bajaj Finance fell by Rs 1,863.83 crore to Rs 5,66,197.30 crore and that of ICICI Bank by Rs 1,130.07 crore to Rs 10,00,818.79 crore. Reliance Industries retained the title of the most valued firm followed by HDFC Bank, TCS, Bharti Airtel, ICICI Bank, State Bank of India, Infosys, Bajaj Finance, Hindustan Unilever and ITC.

SGB: RBI fixed Rs 9,600 premature redemption price for bonds due on April 28

Kolkata. Reserve Bank of India (RBI) has set premature redemption price for another tranche of the SGB (Sovereign Gold Bond) Scheme, Series I of 2020-21. The price has been fixed at Rs 9,600 per unit, which is scheduled for Monday, April 28, 2025. The guidelines state that investors can exit early from SGBs if they have completed five years from the date of issuance. SGB of Series I of 2020-21 were issued on April 28, 2020 and therefore, the five-year period ends on April 28. Significantly, earlier in the week beginning April 21, RBI announced premature redemption prices for two other series of SGB. These were those of Series IV issued in 2017-18 and Series II issue in 2018-19. It can be recalled that the Centre introduced the SGB Scheme in 2015-16. One of the major objectives of the government was to curb the demand for physical gold by encouraging investment into gold bonds. Gold ETFs, by the way, are also a way of curbing the demand for physical gold. Both can shift the demand for gold bars and coins that are needed for investment. How is redemption price calculated For SGBs, there is simple formula to fix the redemption price. It is the arithmetic average of the closing price of gold of 999 purity — 24 carat in popular terms — in the preceding three trading days. These rates are according to the data of India Bullion and Jewellers Association. According to this principle, the price of rs 9.600/gm was arrived at by calculating the closing prices of Gold 999 on April 23, 24, and 25. SGBs attracted a lot of investments, particularly due to the safe nature of the instrument and the fact that the government was paying interest of 2.5% annually on the initial investment. Another factor was that the price of gold was continuously rising. Also it was declared that if the sovereign gold bonds were held till maturity (eight years), the gains would be exempt from capital gains.

Hybrid mutual fund inflows ease in FY25, but investor interest and AUM surge

NEW DELHI. Hybrid mutual fund schemes witnessed a moderation in net inflows during FY25, drawing Rs 1.19 lakh crore — an 18 per cent decline from the previous fiscal — amid market turbulence in the latter half of the year driven by corporate earnings slowdown and geopolitical tensions. However, investor participation and assets under management (AUM) in the category showed strong growth, underscoring sustained investor confidence in hybrid offerings. According to data from the Association of Mutual Funds in India (Amfi), the number of hybrid fund folios surged to 1.56 crore in March 2025 from 1.35 crore a year earlier, indicating an addition of over 33 lakh investors. Meanwhile, the AUM of hybrid schemes grew 22 per cent to Rs 8.83 lakh crore from Rs 7.23 lakh crore in FY24, according to PTI. A key factor behind this resilience has been the balanced structure of hybrid funds, which invest in a mix of equity and debt instruments, offering drawdown protection through the debt component. This makes them a preferred choice for investors seeking a more stable investment experience compared to pure equity funds. "The drawdown protection offered by the debt component of hybrid schemes is a key reason, as it allows investors to stay invested without the stress that comes with pure equity volatility," said Trivesh D, COO of Tradejini. Despite the dip in inflows from Rs 1.45 lakh crore in FY24 to Rs 1.19 lakh crore in FY25, the hybrid category continues to perform better compared to FY23, which saw a net outflow of Rs 18,813 crore. The decline in FY25 inflows is attributed to weaker market sentiment in the second half of the year and a significant drop in new fund offers (NFOs) — from 21 in FY24 to just 12 in FY25. Feroze Azeez, Joint CEO of Anand Rath Wealth Ltd, said, "The slowdown in inflows majorly happened in the second half of FY25 due to market turbulence driven by corporate earnings slowdown, election uncertainty, geopolitical tensions, and a dip in NFOs in this category."

Centre Launches Portal, Guidelines For Electronics Component Manufacturing Scheme; Aims For Large Investments

New Delhi. Centre has launched guidelines and portal for the Electronics Component Manufacturing Scheme (ECMS) to develop a strong component ecosystem by attracting large investments, both global and domestic, in the electronics component manufacturing ecosystem. Union Minister for Electronics and Information Technology Ashwini Vaishnaw launched the guidelines and portal on April 26. The Union Cabinet, chaired by Prime Minister, had approved the Electronics Component Manufacturing Scheme (ECMS), which was notified on April 08, 2025. The scheme aims to develop strong manufacturing capacity and capabilities and integrate Indian companies with Global Value Chains (GVCs). Speaking at the launch, Union Minister stated that electronics production has grown five-fold and exports have grown more than six-fold, with export CAGR exceeding 20 per cent and production CAGR over 17 per cent. He added that mobile phones,

servers, laptops, and IT hardware have seen very strong progress and that the industry is poised to take off significantly. Vaishnaw described ECMS as a horizontal scheme that will support not just electronics but also industrial, power, automobile sectors and more. He emphasized that a complete ecosystem for electronics manufacturing is coming into place across the country. Underscoring the importance of innovation and quality, the Minister said that many companies have now established design teams, and it is essential that every participant develops such teams. Stressing on quality, he called for achieving Six Sigma standards across the sector, warning that those not adhering to quality benchmarks would be cut short. He said the twin focus on design capability and quality excellence would drive India's leadership in electronics. Vaishnaw also spoke about India's advances in AI and data-driven solutions.

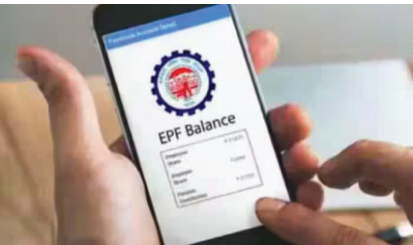


He informed that 350 datasets have already been uploaded on AI Kosh, and four AI tools developed by IITs will soon be released. He further stated that techno-legal solutions are being developed to strengthen the electronics

ecosystem. The Minister informed that ECMS has a strong pipeline of projects ready for approval and expressed confidence that this marks just the beginning of India's rapid growth as a global electronics hub.

Switching Jobs EPFO's Big Update Will Simplify Your PF Transfer — Details Here

New Delhi. Switching jobs just got easier for employees with the new EPFO reform. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) has introduced a revamped Form 13 and upgraded its software, making provident fund transfers faster and hassle-free. This move is expected to benefit over 1.25 crore members and is part of EPFO's ongoing efforts to digitize processes, boost transparency, and reduce the procedural burden on Indian workers. Starting January 2025, employees no longer need employer approval for most provident fund (PF) transfers. This change eliminates the need for coordination between the source and destination EPFO offices, which previously caused delays in the transfer process. The new system simplifies the PF transfer process by allowing the source office to approve claims. After this the amount is



directly credited to the employee's account at the destination office without any further verification needed. This has made transfers faster and reduced complaints. Moreover, the updated Form 13 now clearly separates taxable and non-taxable portions of PF savings. This will ensure more accurate TDS calculations on interest earnings. This improvement improves tax compliance and transparency. The change clears up confusion around tax liabilities, addressing a long-

standing issue for PF members. EPFO estimates that these improvements will help transfer nearly Rs 90,000 crore annually, making the process much smoother. This will not only boost efficiency but also improve member satisfaction. Generating UANs in Bulk EPFO has launched a new feature that allows employers to generate Universal Account Numbers (UANs) in bulk, even without Aadhaar seeding. This new functionality in field offices makes it easier to create UANs using existing member data, simplifying the validation and settlement of claims, especially for workers from exempted trusts. However, to protect PF savings and minimize risks, UANs generated without Aadhaar will remain frozen until further action is taken.

Tesla could benefit the most from new rules on reporting of self-driving car crashes

NEW YORK. Rule changes announced by the Trump administration this week could allow automakers to report fewer crashes involving self-driving cars, with Tesla potentially emerging as the main beneficiary. The Transportation Department announced Thursday that it will no longer require automakers to report certain kinds of non-fatal crashes — but the exception will apply only to partial self-driving vehicles using so-called Level 2 systems, the kind Tesla deploys. Tesla CEO Elon Musk had complained the old reporting rules cast his company in a bad light. If Tesla and other automakers are required to report fewer crashes into a national database, that could make it more difficult for regulators to catch equipment defects and for the public to access information about a company's overall safety, auto industry analysts say. It will also allow Tesla to trumpet a cleaner record to sell more cars. "This will significantly reduce the

number of crashes reported by Tesla," said auto analyst Sam Abuelsamid at Telemetry Insight. Added Dan Ives of Wedbush Securities, noting that Tesla rival Waymo won't get an exception, "This is a win for Tesla, a loss for Waymo." Tesla stock soared nearly 10% Friday on the rule changes. Wall Street analysts, and Musk critics, have said that Musk's role as an adviser to President Donald Trump could put Tesla in position to benefit from any changes to regulations involving self-driving cars. Other car makers such as Hyundai, Nissan, Subaru and BMW make vehicles with Level 2 systems that help keep cars in lanes, change speed or brake automatically, but Tesla accounts for the vast majority on the road. Vehicles used by Waymo and others with systems that completely take over for the driver, called Automated Driving Systems, will not benefit from the change. The National Highway Traffic Safety

Administration, which enforces vehicle safety standards, said the new rules don't favor one type of self-driving system over another, and that raft of changes it announced will help all self-driving automakers. "No ADS company is hurt by these changes," the agency said in statement to The Associated Press, using the acronym for Automatic Driving System. It added that the changes also make sense, "With ADS, no driver is present meaning stronger safety protocols are needed." Waymo declined to comment for this story. The AP reached out to Tesla but did not receive a reply. Under the change, any Level 2 crash that is so bad it needs a tow truck to come will no longer be required to be reported if it doesn't result in death or injury or air-bag deployment. But if a tow truck is called for crashes of vehicles using ADS, it has to be reported.



- After your documents are verified, your date of birth will be updated within a few days.
- You'll receive a slip with a tracking number to check the status of your update request online.
- Once updated, you can download the updated Aadhaar card from the UIDAI website.

For any issues, you can contact UIDAI by calling 1947 or emailing help@uidai.gov.in. Documents needed to update your date of birth in Aadhaar: If you want to correct your date of birth on your Aadhaar card, you'll need to submit any one of these documents: - Marksheet or certificate from a recognized education board or university

India lifted 171 million people from extreme poverty from 2012 to 2022: World Bank

Rural extreme poverty dropped from 18.4 per cent to 2.8 per cent, and urban from 10.7 per cent to 1.1 per cent, narrowing the rural-urban gap from 7.7 to 1.7 percentage points.

NEW DELHI. India has lifted 171 million people from extreme poverty in the decade between 2011-12 and 2022-23, the World Bank said. "Over the past decade, India has significantly reduced poverty. Extreme poverty (living on less than USD 2.15 per day) fell from 16.2 per cent in 2011-12 to 2.3 per cent in 2022-23, lifting 171 million people above this line," the World Bank said in its "Poverty & Equity Brief" on India. It added that rural extreme poverty dropped from 18.4 per cent to 2.8 per cent, and urban from 10.7 per cent to 1.1 per cent, narrowing the rural-urban gap from 7.7 to 1.7 percentage points — a 16

per cent annual decline. The brief said that India also transitioned into the lower-middle-income category. Using the USD 3.65 per day LMIC poverty line, poverty fell from 61.8 per cent to 28.1 per cent, lifting 378 million people out of poverty.

Rural poverty dropped from 69 per cent to 32.5 per cent, and urban poverty from 43.5 per cent to 17.2 per cent, reducing the rural-urban gap from 25 to 15 percentage points with a 7 per cent annual decline. India's five most populous states — Uttar Pradesh, Maharashtra, Bihar, West Bengal, and Madhya Pradesh — accounted for 65 per cent of the country's extreme poor in 2011-12 and contributed to two-thirds of the overall decline in extreme poverty by 2022-23, it said. Nevertheless, these states still accounted for 54 per cent of India's extremely poor (2022-23) and 51 per cent of the multidimensionally poor (2019-21), the brief said, adding that as measured by the multidimensional

poverty index (MPI), non-monetary poverty declined from 53.8 per cent in 2005-06 to 16.4 per cent by 2019-21. The brief added that employment growth has outpaced the working-age population since 2021-22. Employment

while rural female employment in agriculture has grown. Highlighting the challenges that persist, the brief said that youth unemployment is 13.3 per cent, increasing to 29 per cent among tertiary education graduates. Only 23 per cent of non-farm paid jobs are formal, and most agricultural employment remains informal. Self-employment is rising, especially among rural workers and women. Despite female employment rate of 31 per cent, gender disparities remain, with 234 million more men in paid work. The World Bank Poverty and Equity Briefs (PEBs) highlight poverty, shared prosperity and inequality trends for over 100 developing countries. The briefs are released twice a year for the Spring and Annual Meetings of the World Bank Group and International Monetary Fund and help users understand a country's poverty and inequality context at-a-glance and seek to keep poverty reduction on top of the world's agenda.



rates, especially among women, are rising, and urban unemployment fell to 6.6 per cent in Q1 FY24/25, the lowest since 2017-18. Recent data indicates a shift of male workers from rural to urban areas for the first time since 2018-19,

POK flood alert after Pakistan accuses India of Jhelum water release: Report

The allegations came after India decided to suspend the 1960 Indus Waters Treaty, in response to the deadly terror attack in Pahalgam carried out by Pakistan-based terrorists.

NEW DELHI. As tensions between the two neighbours escalated after the Pahalgam terror attack, in which 26 Indian tourists were killed, Pakistan accused India of suddenly releasing water into the Jhelum river without informing Pakistani authorities on Saturday. A report by Dunya News said a sudden surge in the water levels of the river was witnessed near Muzaffarabad in Pakistan occupied Kashmir and blamed India for it. The local administration imposed a water emergency in Hattian Bala, which is roughly 40 km from Muzaffarabad on the banks of Jhelum river. The locals were also warned through announcements in mosques. The report said that the announcement has created panic among the residents living near riverbanks. The water entered from Kashmir's Anantnag and rose through the

Chakothi area of Pakistan-occupied Kashmir, the report stated. Pakistani authorities condemned it and called it "complete violation of international rules and water agreements". The allegations came after India decided to suspend the 1960 Indus Waters Treaty, in response to the deadly terror attack in Pahalgam carried out by Pakistan-based terrorists. The Indian government declared that the treaty will remain suspended until Pakistan "credibly and irreversibly" abjures its support for cross-border terrorism. **WHAT IS INDUS WATERS TREATY?** Brokered by the World Bank and signed in 1960, the Indus Waters Treaty has long been hailed as a rare



instance of sustained cooperation between India and Pakistan. Under the agreement, India was granted exclusive control over the eastern rivers — Ravi, Beas, and Sutlej — while Pakistan was given rights over the western rivers — Indus, Jhelum, and Chenab — despite their origins in Indian territory in Jammu and Kashmir. The treaty has endured through wars and diplomatic breakdowns, but the

recent attack in Pahalgam, which claimed the lives of security personnel and civilians, appears to have redrawn the lines. **HOW WILL IT IMPACT PAKISTAN?** The decision is poised to have far-reaching consequences for Pakistan. The country is heavily dependent on the Indus River system for its agriculture, which forms the backbone of its economy. Nearly 90% of Pakistan's irrigation depends on water from the Indus basin. Any disruption — or even the perception of future disruption — in water supply from the western rivers could exacerbate water scarcity, reduce crop yields, and fuel domestic unrest, especially in the already water-stressed provinces of Punjab and Sindh.

Soon, all-EV fleet at Asola Bhatti Wildlife Sanctuary to supply essentials to maintain 'safe environment for animals'

The move comes in the wake of the observation that animals are in distress due to pollution



NEW DELHI. The Delhi government is planning to replace all existing petrol, diesel, and CNG vehicles — such as trucks, jeeps, cars, motorcycles, and utility vehicles — that are currently used for supplying food, water, and other essentials at the Asola Bhatti Wildlife Sanctuary, with electric vehicles (Evs). The move comes in the wake of the observation that animals are in distress due to pollution. Delhi Forest and Wildlife Minister Manjinder Singh Sirsa on Saturday said, "There are about a hundred vehicles, including trucks and jeeps, being used in the wildlife sanctuary for the supply of food and water, as well as for other purposes. These vehicles are used for official purposes only, but we have observed that petrol and diesel vehicles negatively affect the environment and disturb the animals here." "Trucks and jeeps also create noise and vehicular pollution, which distresses the animals. There are a good number of leopards, deer, reptiles, and butterflies here, all of which roam freely. However, when they hear any noise, they either hide or lie down. To create a safer and more pleasant environment for both animals and visitors, and to boost tourism, the government plans to replace such vehicles with Evs," he added.

The Minister underlined that he has directed the officials concerned in the Forest and Wildlife Department to propose an EV fleet and develop charging stations within the next six months. "The department also plans to hire e-golf carts and e-cycles for visitors. About 9-10 carts have already arrived and will soon be available for public use. We have also observed that e-trucks are available. Soon, the department will begin hiring e-vehicles," said the Minister.

The Asola Bhatti Wildlife Sanctuary, located in South East Delhi, covers an area of 32 square kilometers, and sees tourist activities, such as birdwatching, nature walks, and Neeli Jheel drives. Under the birdwatching trail, there are the Blue Bull Trail (5 km), Sandgrouse Trail (3.5 km), Sparrow Trail (2.5 km), and Palash Trail (2 km). Commonly seen birds include Peafowl, Common Woodshrike, Sirkeer Malkoha, Indian Scops Owl, Black Eagles, and Oriental Scops Owl. The nature walk starts from the Tughlakabad Gate, which covers Butterfly Park (4 acres), Aravalli Forest Centre (4 acres), and a Jungle Walk (1.5 km). According to officials, the sanctuary is home to over 25 mammals, 240 reptiles, 86 butterfly species, 250 birds, and 15 species of dragonflies. Neelgai, golden jackals, mongooses, and spotted deer are among the animals found here.

Students forced to offer namaz at NCC camp in Chhattisgarh, 7 teachers charged



NEW DELHI. Eight people, including seven teachers, were booked on Saturday for allegedly forcing some students of Guru Ghasidas Central University to offer namaz during an NCC camp in Chhattisgarh's Bilaspur district, a police official said. They forced 159 students to offer namaz during the camp held between March 26 to April 1 in Shivtarai village under Kota police station limits, though only four among them were Muslims, he said. A probe was instituted after students came back and protested, following which right wing outfits too agitated seeking action against those responsible, the official said. "The incident took place on March 31. Bilaspur Senior Superintendent of Police Rajnesh Singh had constituted a four member committee under City Superintendent of Police (Kotwali) Akshay Sabadra to investigate the matter. The case was lodged on Saturday after the investigation report was submitted to the SSP," he said. A case was registered against Dilip Jha, Madhulika Singh, Jyoti Verma, Neeraj Kumari, Prashant Vaishnav, Suryabhan Singh and Basant Kumar, who are teachers at Guru Ghasidas Central University, and team core leader-cum-student Ayushman Chaudhary under Bharatiya Nyaya Sanhita sections 196 (b), 197 (1) (b) (c), 299, 302, 190 of BNS and section 4 of Chhattisgarh Religious Freedom Act, the official said. The case was registered at Koni police station and the case diary has been sent to Kota police station for further investigation, he added.

NIA takes over probe into Pahalgam terror attack case on government's orders



NEW DELHI. Anti-terror body, National Investigation Agency (NIA), has begun the process of formally taking over the Pahalgam terror attack case, in which 26 innocent tourists were mercilessly shot dead on Tuesday, following orders from the Union Ministry of Home Affairs (MHA). NIA teams, which have been camping at the terror attack site since Wednesday, have intensified the search for evidence. The teams, overseen by senior-ranked officials from the anti-terror agency, are examining the eyewitnesses who had seen the horrifying attack unfold before their eyes in the peaceful and picturesque Baisaran valley. The eyewitnesses are being questioned in minute detail to piece together the sequence of events that led to one of the worst terror attacks in Kashmir. The entry and exit points are being closely scrutinised by the investigating NIA teams for clues to the modus operandi of the terrorists. The teams, aided by forensic and other experts, are checking the entire area thoroughly for evidence to expose the terror conspiracy that led to the horrendous attack that has shocked the nation.

Delhi govt dissolves management committees in schools, fresh elections on May 9

New Delhi. All existing school management committees (SMCs) in Delhi's government schools have been dissolved with immediate effect as per a recent circular by the Directorate of Education (DoE). According to the Thursday circular, fresh elections will now be held on May 9 to form new SMCs. Election committees, headed by the school head and a teacher convener, will be in charge of the election process. An SMC is responsible for monitoring the school's functioning, identifying students and teachers' needs, and monitoring admissions, among other key tasks. It comprises 12 parent members, a school principal, a member teacher, an elected representative of the local authority and a social worker, as per government norms. Its tenure is two years. The DoE has issued strict directions for the election of new SMCs. **How can parents apply?** To file a nomination, parents must submit their details, including their name, address, phone number, and a



photograph, along with their child's name and class details. They must also describe how they plan to contribute to the school if elected and collect signatures of support from five other parents. The school-level election committee will carefully check the nominations by May 7. The final list of candidates will be posted on the school's notice board for all parents to see before the election day. The voting is scheduled to take place on May 9, with morning shift schools holding it from 8 am to 11 am, and evening shift schools from 1 pm to 4 pm. No loudspeakers, posters, or

crowding will be allowed in or near the school premises. District-wise, a three-member permanent core group (PCG), consisting of a school head and two teachers, is also to be set up by deputy directors of education (DDE), which will decide on the appointment of social workers to the SMC. The PCG is also tasked with overseeing the election process and, after the SMC formation, ensuring that it adheres to norms and coordinates with the State Council of Educational Research and Training (SCERT), Delhi, for training purposes. These social workers must apply online, and those showing "very strong aptitude and a natural inclination towards serving the cause of education" with a "verifiable track record" are to be preferred. A newly elected SMC must have at least 50 per cent women members and at least one member from Scheduled Castes (SC), Scheduled Tribes (ST), Other Backward Classes (OBC), or the Economically Weaker Sections (EWS).

Jamia Millia Islamia University students allege harassment by admin

NEW DELHI. Over two months after 17 students were suspended from the Jamia Millia Islamia University, before the suspension was revoked following a Delhi High Court order, students on Saturday issued a statement alleging continued harassment by the university administration. The students alleged that the authority has written letters to students who were earlier suspended, directing them to sign a Bond of Good Conduct and has also demanded a fine of Rs 5,000 and Rs 3,000 from two protesting students, Saurabh and Niranjana, respectively. "While the Delhi High Court has already stayed the suspension of Saurabh along

with 6 other students, it's completely arbitrary to impose such conditions on revocation of suspension of Saurabh,



while the matter is subjudice. The students are treated as criminals without any circumstantial evidences,

made to incur constant harassment on part of the administration and Jamia Nagar police station," students said. Despite attempts by this newspaper, the Jamia administration did not respond to the charges. Meanwhile, students alleged they were being issued notices directing them to comply with conditions set by the university, including signing a Bond of Good Conduct, for expressing their dissent. "Students are being mentally harassed by summoning them for police interrogation, especially on working days, which is severely affecting academics," the statement read.

Have nowhere to go: Pakistani Hindu refugees' future in limbo amid visa suspension

Many refugees are anxious about their status as their visas are renewed every two years and their applications for Indian citizenship under the Citizenship (Amendment) Act, 2019 are still under process.

New Delhi. Gripped with uncertainty over whether they will be allowed to stay or asked to leave, Pakistani Hindu refugees staying at Delhi's Majnu Ka Tila fear for their future after India suspended visa services for Pakistani nationals. India announced on Thursday that all visas issued to Pakistani nationals would be

revoked from April 27 and asked these people to leave the country as tensions between the two countries escalated after the barbaric terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam left 26 people dead. While the government later clarified that Long Term Visas (LTVs) already granted to Hindu Pakistani nationals will remain valid, many refugees are anxious about their status as their visas are renewed every two years and their applications for Indian citizenship under the Citizenship (Amendment) Act, 2019 are still being processed. Sona Das, president of the Hindu refugee community at Majnu Ka Tila, said several families have been living in Delhi for years, renewing their visas periodically after document verification by authorities. "Also, many of these families crossed over from Pakistan just one or two months ago, some are living in camps near Majnu Ka Tila, while others have taken shelter under the



Signature Bridge," Das told PTI. Recently, the police asked the refugees to submit their documents for verification to check if anyone was staying illegally or using forged papers, he said. "All relevant documents were collected, but people are nervous about what might happen next," he added. Delhi Police officials assured that while the verification drive is underway, they will ensure that no one is harassed unnecessarily. "We are simply checking that all migrants have proper documents," an official said. Following the

government's directive, the Delhi Police has launched a drive to ensure that no Pakistani nationals are residing illegally in the capital. Officials said the focus would be on verifying documents of those who recently entered India. Krishan Lal, another resident of the refugee camp, said he is worried about his family. "My wife, children and brother applied for Indian citizenship, but it hasn't been granted yet," Lal said. "I don't know if their visas will now be cancelled or if they will be allowed to stay," he added. Kanhaiya, who runs a small tea stall in Majnu Ka Tila, said he has no home to return to in Pakistan. "There is no one left for us in Pakistan. If we are asked to leave Delhi, we will have nowhere to go and no way to survive," he said. Dayal Das, who heads another refugee camp in the area, said local police contacted him recently, seeking details about the residents who received citizenship, those who have not, and how many new families have arrived.

NEWS BOX

18 killed, over 700 injured in chemical blast at Iran's biggest port

Dubai. A huge blast probably caused by the explosion of chemical materials killed at least 18 people and injured more than 700 on Saturday at Iran's biggest port, Bandar Abbas, Iranian state media reported.

The explosion, which hit the Shahid Rajaei section of the port, occurred as Iran began a third round of nuclear talks with the United States in Oman, but there was no indication of a link between the two events.Hossein Zafari, a spokesperson for Iran's crisis management organisation, appeared to blame the explosion on poor storage of chemicals in containers at Shahid Rajaei."The cause of the explosion was the chemicals inside the containers," he told Iran's ILNA news agency."Previously, the Director General of Crisis Management had given warnings to this port during their visits and had pointed out the possibility of danger," Zafari said.However, an Iranian government spokesperson said that although chemicals had likely caused the blast, it was not yet possible to determine the exact reason.President Masoud Pezeshkian ordered an investigation of the incident and sent to the site his interior minister, who said efforts were continuing to extinguish the fire and prevent it from spreading to other areas.Iran's official news channels aired footage of a vast black and orange cloud of smoke billowing up above the port in the aftermath of the blast, and an office building with its doors blown off and papers and debris strewn around.Located near the strategic Strait of Hormoz, Shahid Rajaei port is Iran's biggest container hub, handling a majority of the country's container goods, according to state media.The blast shattered windows within a radius of several kilometres and was heard in Qeshm, an island 26 kilometres (16 miles) south of the port, Iranian media said.The semi-official Tasnim news agency posted footage of injured men lying on the road being tended to amid scenes of confusion.

State TV earlier reported that poor handling of flammable materials was a "contributing factor" to the explosion.A local crisis management official told state TV that the blast took place after several containers stored at the port exploded.

Trump demands free passage for US ships through Panama and Suez canals

WORLD. Fpresident Donald Trump on Saturday called for US military and commercial vessels to be granted free passage through both the Panama and Suez Canals, intensifying his push to reassert American influence over vital global shipping lanes.

In a post on his Truth Social platform, Trump said he had instructed Secretary of State Marco Rubio to "immediately take care of, and memorialise, this situation," arguing that the United States played a foundational role in the existence and continued operation of both canals.Those canals would not exist without the United States of America," Trump declared.

STORIES YOU MAY LI

The Panama Canal, completed by the US in the early 20th century and handed over to Panama in 1999, remains a critical artery for global trade—especially between the Atlantic and Pacific Oceans.Nearly 40 per cent of US container traffic passes through it each year. The canal is also a key route for both American and Chinese shipping.Since returning to the White House in January, Trump has renewed pressure on Chinese port operators near the Panama Canal and floated aggressive measures to curb Beijing's maritime influence.In February, Panama promised to grant free passage to US warships after Trump criticized China's growing footprint near the waterway and hinted at potential action to "take it back."Tensions have also flared over a proposed sale of Panamanian port assets from Hong Kong-based CK Hutchison Holdings Ltd to a consortium led by US investment giant BlackRock Inc., a deal opposed by China and financial hurdles with Panama.

Trump's latest remarks extended that attention to the Suez Canal, which connects the Mediterranean to the Red Sea through Egypt. The canal is a strategic chokepoint for US naval operations and global commerce, particularly energy shipments.

Abuse Scandals, Disunity And Diplomacy The New Pope's Challenges

Vatican City. Pope Francis's successor will face a litany of challenges, from the place of women and the LGBTQ community in the Catholic Church, to diplomatic challenges in a conflict-riven world.

UnityUniting a divided church will be one of the main tasks facing the new pope.

During his 12-year-long papacy, Francis often came under fire for his more liberal policies, such as welcoming migrants and restricting the use of the Latin Mass.Traditionalists in the United States and Africa in particular were angered by his efforts to give lay people and women a greater role in the Church, and his decision to open the door to blessing same-sex unions.His successor will have to make peace between the Church's conservative and liberal fringes.

"A pope always brings people together," Luxembourg Cardinal Jean-Claude Hollerich told reporters.

"That unity in the church will be very important. But you don't unify the church by going backwards."

Sexual AbuseThough he brought in a series of measures to combat clerical sexual abuse, victims associations said they were disappointed with Francis, accusing him of not doing enough.The issue remains a major challenge for the Church, with the scandals showing no sign of abating.And it will not be an easy solve. In many African and Asian countries, the subject remains taboo. Even in Europe, Italy has yet to launch an independent investigation into abuse allegations.

US Deports 3 American Children, Including Cancer Patient: Rights Groups

Washington.Three American children aged two, four and seven -- one of whom has a rare form of cancer -- have been deported from the United States alongside their undocumented immigrant mothers, campaigners announced Saturday.

The deportations from the southern state of Louisiana come as President Donald Trump pursues a hard-line immigration policy, calling for mass expulsions of undocumented migrants.The administration of President Donald Trump contends one of the women asked for her child to be sent with her."The New Orleans ICE Field Office deported at least two families, including two mothers and their minor children," the National Immigration Project said in a Saturday statement, referring to the Immigration and Customs Enforcement agency.It said the deportations were hastily ordered, and carried out in the early hours of Friday.

"One of the mothers is currently pregnant," the American Civil Liberties Union (ACLU) said in a separate statement,

describing the deportations as "illegal and inhumane."One of the US children removed from the country has "a rare form of metastatic cancer" and was deported without medication or medical consultations, the ACLU said.

It added that ICE agents held the families "incommunicado" and failed to facilitate communication between the women and lawyers.'Horrible And Baffling'

Gracie Willis of the National Immigration Project said in the statement: "What we saw from ICE over the last several days is horrifying and baffling. Families have been ripped apart unnecessarily.""We should be gravely concerned that ICE has been given tacit approval to both detain and deport US citizen children."In the case of one woman and her two-year-old who were deported to Honduras, Federal District Judge Terry Doughty has set a May 16 hearing "in the interest of dispelling our strong suspicion that the government just deported a US citizen with no meaningful process.""The government contends that

this is all okay because the mother wishes that the child be deported with her. But the court doesn't know that," wrote Doughty in a court order dated Friday, highlighting that it is illegal to deport a US citizen.



The girl has only been identified by the initials VML.Attorneys for her father filed an emergency request for a temporary restraining order aimed at obtaining the girl's return.The Trump administration has butted heads with federal judges, rights

groups and Democrats who say he has trampled or ignored constitutional rights in rushing to deport migrants, sometimes without the right to a hearing.In a post on social media Saturday, Trump claimed that undocumented migrants in the United States were "wreaking havoc like we have never seen before." He dismissed due judicial process around deportations, saying: "It is not possible to have trials for millions and millions of people.""We know who the Criminals are, and we must get them out of the U.S.A. -- and FAST!"On Friday, federal agents arrested a US judge in Wisconsin for allegedly shielding an undocumented migrant.The White House has also defied a Supreme Court ruling that the Trump administration must "facilitate" the return of Maryland resident Kilmar Abrego Garcia, who was mistakenly deported to a maximum security prison in El Salvador.

Kash Patel condemns Pahalgam attack, pledges FBI support to Indian government

WORLD. FBI Director Kash Patel has condemned the recent terrorist attack that took place on April 22 in Jammu and Kashmir's Pahalgam, in which 26 people, mostly tourists, lost their lives. He called the attack a stark reminder of the persistent global threat of terrorism.

Taking to X, formerly Twitter, Patel expressed condolences to the victims of the attack and pledged continued support to the Indian government.

"The FBI sends our condolences to all the victims of the recent terrorist attack in Kashmir — and will continue offering our full support to the Indian government," Patel wrote."This is a reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism. Pray for those affected. Thank you to the men and women of law enforcement who answer the call in moments like these," he added.The already strained ties between India and



Pakistan plunged to a new low after 26 people, mostly tourists, were killed in Kashmir by terrorists from The Resistance Front — a group believed to be a proxy of the banned Pakistan-based Lashkar-e-Taiba (LeT).

The April 22 attack at Baisaran meadow in Pahalgam, was the deadliest in Kashmir since the 2019 Pulwama strike that left 40 CRPF personnel dead.In the wake of the deadly terror attack, India announced a set of punitive diplomatic measures against Pakistan, signaling its strongest

response since the 2019 Pulwama strike.The retaliation, spanning trade, diplomatic engagement, soft power, and digital platforms, included an unprecedented suspension of all visa services — including medical visas — for Pakistani nationals with immediate effect.India also ordered all Pakistani citizens currently in India to leave, while advising Indian nationals to avoid travel to Pakistan. Additionally, India revoked visas granted under the SAARC Visa Exemption Scheme (SVES) for select categories of Pakistani nationals, instructing those still in the country to depart by Friday evening.And most importantly, New Delhi suspended the Indus Waters Treaty — a decades-old agreement that had endured three wars and numerous terror attacks, including 26/11 and Pulwama. The move is likely to cripple Pakistan's already fragile agricultural sector.

Russia detains suspect in car bomb killing of top general, blames Ukraine

Moskalik was killed in the town of Balashikha, east of Moscow, hours before U.S. President Donald Trump's envoy Steve Witkoff met President Vladimir Putin in

WORLD. Russia's FSB security service said on Saturday it had detained a suspect over the killing of a senior Russian military officer on Friday by a car bomb. The Kremlin blamed Ukraine for the killing of 59-year-old Yaroslav Moskalik, deputy head of the Main Operations Directorate of the General Staff of the Russian Armed Forces. There was no official comment from Kyiv on Moskalik's death. The FSB named the suspect as Ignat Kuzin, saying he was "an agent of the Ukrainian special services".Moskalik was killed in the town of Balashikha, east of Moscow, hours before U.S. President Donald

Trump's envoy Steve Witkoff met President Vladimir Putin in Moscow. The Kremlin blamed Ukraine for a car bomb that killed a senior Russian military officer near Moscow on Friday, hours before US President Donald Trump's envoy Steve Witkoff



was due to meet President Vladimir Putin in Moscow. Witkoff met Putin to discuss US proposals for ending the war, now well into its fourth year."The Kyiv regime once again simply shows its true nature. The Kyiv regime continues to be involved in terrorist activity on the territory of our country," Kremlin spokesman Dmitry Peskov

told a state TV reporter."It shows once again that, despite the peace talks, we must be on guard and understand the nature of this regime."Ukraine's SBU intelligence service did not respond to a request for comment on the killing of Moskalik, who was deputy head of the Main Operations Directorate of the General Staff of the Russian Armed Forces.

That position would have given him an important role in planning Russian military operations, including in Ukraine. State media said he held the rank of lieutenant general. The body of a man, partially covered in a white sheet, lay on the pavement outside the entrance to an apartment building in the town of Balashikha, east of Moscow, near a burnt-out car."The explosion occurred as a result of the detonation of a homemade explosive device filled with destructive elements," investigators said in a statement.



served as Executive Vice President at Arizona State University, where he also founded the Center for Cognitive Ubiquitous Computing (CUBIC). His work earned wide acclaim, including for developing technology that improved accessibility for individuals with disabilities.Appointed by President Trump in 2020, Panchanathan's leadership at NSF saw deepened international collaborations, notably the 2023 US-India Initiative on Critical and Emerging Technologies.

Despite his initial appointment under a Republican administration, his strong advocacy for inclusive science and global research partnerships increasingly clashed with a shifting political climate that viewed many of NSF's initiatives as wasteful.

Evils Of Terrorism": FBI Chief Kash Patel Condemns Pahalgam Terror Attack

➡FBI Chief Kash Patel described the deadly assault as a "reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism."

Washington.Federal Bureau of Investigation (FBI) Director Kash Patel on Sunday condemned the Pahalgam terror attack in Jammu and Kashmir and assured continued support to the Indian government in its fight against terrorism.Mr Patel described the deadly assault as a "reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism."

The brutal attack, which took place on April 22 and claimed 26 lives, was carried out by The Resistance Front (TRF), a proxy of the Pakistan-based Lashkar-e-Taiba (LeT). It has sparked widespread diplomatic and public outrage both within India and internationally.Taking to X, Mr Patel wrote, "The FBI sends our condolences to all the victims of the recent terrorist attack in Kashmir -- and will continue offering our full support to the Indian government."This is a reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism. Pray for those affected. Thank you to the men and women of law enforcement who answer the call in moments like these," he further added.

In a show of solidarity, former US President Donald Trump also spoke to Prime Minister Narendra Modi a day after the attack, strongly condemning the act of terror."President Donald Trump called PM Narendra Modi and conveyed his deepest

condolences at the loss of innocent lives in the terror attack in Jammu and Kashmir. President Trump strongly condemned the terror attack and expressed full support to India to bring to justice the perpetrators of



this heinous attack. India and the United States stand together in the fight against terror," the Ministry of External Affairs (MEA) posted on X.Although Trump had previously offered to mediate between India and Pakistan during his first term, he

declined to renew that offer when questioned by a reporter during a news gaggle en route to Rome to attend Pope Francis' funeral.Asked whether he was concerned about the situation and if he planned to speak to the leaders of India and Pakistan, Trump responded, "There have been tensions on that border for 1500 years," rhetorically exaggerating the history of the dispute."But they'll get it figured out one way or the other. I'm sure that I know both leaders," he added.Despite showing no intention to mediate, Trump and his officials were swift to condemn the Pahalgam terror attack and pledge support to India.US Director of National Intelligence Tulsi Gabbard also extended condolences and support to India's efforts to bring the perpetrators to justice.Posting on X, Gabbard wrote, "We are with you and support you as you hunt down those responsible for this heinous attack."

NEWS BOX

Genius Virat Kohli is doing nothing extra in IPL 2025 season: RCB assistant coach



New Delhi. RCB's assistant coach Malolan Rangarajan has said that Virat Kohli isn't doing anything extra this season in the IPL as he continues his fine form. Kohli has been the highest run-getter for RCB this season as he has scored 392 runs in 9 matches and is second on the list when it comes to the Orange Cap race.Last season, despite being the highest run-getter in the tournament, Kohli was criticised for his strike-rate. Speaking at the pre-match press conference, Rangarajan said that the team as a whole wasn't striking at the desired rate. The RCB assistant coach said that Kohli has enough experience to know when to take a down a particular bowler."It wasn't only Virat last season who was not batting at the desired strike-rate. It was the whole team. So I think the whole team got together. They were very honest about it, and I'm sure you guys have heard this like a broken record where we said we were very honest together inside a room, and that's precisely what happened. That's part one."Part two is about Virat Kohli as an individual does not need to go and practise extra. He's batted for 20-25 years. He's a genius. He just has to decide what he wants to do and how he wants to take down a particular bowler. And it's very evident that someone like Virat, even after having played for so long, he's constantly looking at."What more he can do, which to me is unbelievable, the attitude with which he comes into every training session, every match. So with that, I don't think he did anything specifically physically," said Rangarajan.'

Djokovic faces 'new reality' after losing another opening match in Madrid



MADRID. After losing a second straight opening match and three in a row overall, Novak Djokovic said he was facing a "new reality" in his two decades of pro tennis. Djokovic's public coming to terms with his rare losing streak came after he fell in straight sets to Matteo Arnaldi in his first match of the Madrid Open on Saturday. The 37-year-old Djokovic came to Spain after also losing his opener to Alejandro Tabilo at the Monte Carlo Masters two weeks ago and, before that, the Miami Open final."I was hoping I can play one more match than I played in Monte Carlo. (It's) kind of a new reality for me, I have to say, trying to win a match or two, not really thinking about getting far in the tournament," Djokovic said.The struggles by the winner of 24 Grand Slam titles coincide with the start of the clay-court swing culminating in the French Open next month."It's a completely different feeling from what I had in 20-plus years of professional tennis," he said. "It's a challenge for me mentally to really face these kinds of sensations on the court, going out early now regularly in tournaments."Arnaldi won 6-3, 6-4, delaying Djokovic's search for a career 100th title. The Serb was undermined by 32 unforced errors to his opponent's 18 and had his serve broken three times.It was the first meeting between Djokovic and 44th-ranked Arnaldi of Italy."He's my idol, he's always been," Arnaldi said of Djokovic. "To play him at a stage like this was already a victory for me. He's not at his best right now, so I came on court to try to play my best tennis and win and it happened."Arnaldi raised his arms and turned to the crowd after striking a winner that gave him a second-set break. Djokovic tried to hit right back and had three break points, but Arnaldi rallied to save his serve and finished off the three-time champion.He wrote "OMG" (Oh my god) on the camera when given the marker for the now customary message by the winner to the television audience.Djokovic is still seeking his first title of the season after winning his 99th title last August at the Paris Olympics.

Punjab Kings will not be able to win IPL trophy: Manoj Tiwary makes bold claim

➡ **Former India cricketer Manoj Tiwary has made a bold claim, saying that Punjab Kings (PBKS) might not be able to win the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) despite finishing in the top two.a**

New Delhi. Former India cricketer Manoj Tiwary feels Punjab Kings (PBKS) will not be able to win the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) due to their head coach Ricky Ponting's preference for foreign players. Punjab's ninth fixture against Kolkata Knight Riders (KKR) got washed out due to rain. Batting first, they posted 201/4 riding on splendid innings from Prabhsimran Singh (83 off 49) and Priyansh Arya (69 off 35). However, after their dismissals, the team management sent Glenn Maxwell, Marco



Jansen and Josh Inglis over the in-form batters Nehal Wadhwa and Shashank Singh. The move didn't go down well with Tiwary, who criticised head coach Ricky Ponting for his move and said that the lack of confidence in Indian batters might lead to their downfall in the ongoing season. "My gut feeling says that punjab team will not be able to win the #IPL trophy this season because what I saw today when they were

Mayank Yadav to play against MI LSG drops massive hint before IPL 2025 clash

New Delhi. Lucknow Super Giants (LSG) dropped a massive hint on fast bowler Mayank Yadav before their Indian Premier League (IPL) 2025 clash against five-time champions Mumbai Indians (MI) on Sunday, April 27 at the iconic Wankhede Stadium.On Saturday, April 26, LSG dropped a video on their social media account as a build-up to the clash against MI where Mayank can be seen in the Lucknow jersey.Captioning the video, LSG wrote, "Kal dikhega tabadto andaz", which roughly translates to "Tomorrow, a fierce style will be seen."Mayank hasn't played any form of cricket since India's T20I series against Bangladesh back in October 2024. The speedster, however, recovered from his back and toe injuries, and rejoined the LSG squad before the clash against Rajasthan Royals (RR) on April 19.In LSG's previous match against Axar Patel's Delhi Capitals (DC) on April 22 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium



in Lucknow, Mayank was one of their Impact Player options. However, the Super Giants preferred young batter Ayush Badoni over Mayank after subbing out Mitchell Marsh. It now remains

to be seen if Mayank takes the field against MI, as LSG are still some distance away from qualifying for the playoffs.Last year, Mayank burst onto the scene as one of the fastest bowlers India have ever produced. In one of the matches against Royal Challengers Bengaluru (RCB) at the M. Chinnaswamy Stadium, Mayank clocked a staggering 156.7 kmph. He also won back-to-back Player of the Match awards against Punjab Kings (PBKS) and RCB. But the pacer's campaign was cut short due to injury after only three games when where he picked up seven wickets at an economy rate of 6.98.The Super Giants are currently placed sixth in the table with 10 points and a net run rate of -0.054 thanks to wins in five out of nine games. But they would want to make amends for their eight-wicket loss to the Capitals.

Nicholas Pooran on relationship with Rishabh Pant: We connect through shared trauma

New Delhi. Lucknow Super Giants players Nicholas Pooran and Rishabh Pant have quite a few common threads between them. Not only are they two of the most talented wicketkeeper-batters in the world, but they are also bound by trauma.Pooran and Pant both survived car accidents and made a comeback to professional cricket after facing career-threatening injuries. The Caribbean opened up about the shared trauma and said that they try to help each other through it. In January 2015, Pooran, all of 19, suffered a near-fatal car accident in St Mary's, Trinidad. He was wheelchair-bound for a considerable period with multiple surgeries on his knees and ankle. In December 2022, Pant survived a horrific car crash when he was driving back home to Roorkee from Delhi."Even before the incident we (him and Pant) had a good relationship. We always connect. We always chat, get together whenever we can. If he's in the Caribbean or if I'm here," Pooran told PTI in an interview."Accident is just something which was really unfortunate in our

respective journeys but the bright side is we're here playing cricket today. And that is a wonderful feeling. But yeah, we share our



experiences. We try to help each other as much as we can," Pooran added.Batting at No.3Pooran has been one of the best players in the Indian Premier League this season, carrying forward his form from 2024, where he had scored 499 runs. However, the main

difference this season is that Pooran has batted at No. 3 instead of No. 5 or No. 6 last year.So, has there been a change in the mindset from the last couple of seasons? "My mindset is the same. Try to win games whenever I get an opportunity. Obviously, it is a different role batting at number 5 or 6. "Batting at No. 3, I get an opportunity to face more balls. That's something I wanted to capitalise on especially going into the Powerplay. So it's all about taking the opportunity and doing what the team requires," said Pooran.The West Indian is the only batter with a 200-plus strike rate among the current top-10 run-getters in the IPL.Pooran is one of the rare overseas batters in world cricket who play spin well. The superstar reasoned that while the familiarity with the conditions helped, what really worked out well for him was his ability to read the ball from the hand of the spinners."I've played in India for a while now. The tracks are a bit similar like what we get back home, where the pitches do not have a lot of bounce.



and contribute how I can," he added. Fraser-McGurk has only been able to score 55 runs in his six IPL 2025 matches, registering two ducks and just one double-digit score - a 38 against Sunrisers Hyderabad. This eventually led to him getting dropped from the side's last two clashes against Gujarat Titans and Lucknow Super Giants. While DC have tried at least four different opening combinations following the off-form of Fraser-McGurk and the injury to Faf du Plessis, it is unlikely the side will again change their current combination of Abhishek Porel and Karun Nair, both of whom played impressively against LSG in their last match.While JFM impressed many with his big-hitting skills in IPL 2024, it remains to be seen whether the 23-year-old can regain his lost touch if he receives another chance in DC's clash against RCB.

MI vs LSG, IPL 2025 match preview: Predicted 11s, team news, pitch and weather conditions

An upbeat and confident MI will look to continue their winning run in IPL 2025 as LSG comes to town for a clash at the Wankhede stadium. All eyes will be on Rohit Sharma and Rishabh Pant, who are at the opposite ends of the spectrum when it comes to form.

New Delhi. Mumbai Indians and Lucknow Super Giants will lock horns at the iconic Wankhede stadium on Sunday, April 27 and the focus will be firmly on two players. Rohit Sharma, the MI legend who struggled in the initial phase of the IPL 2025 season, has revitalised himself in the

last few games to roar back into form. With a touch of vintage Rohit and sticking to his selfless and intent-filled approach, the MI opener hit back-to-back fifties to remind everyone once again that class is permanent.On the other side, Rishabh Pant is wondering what he should do to get back into form. 106 runs from 110 balls in 9 matches doesn't paint a great picture for a man Lucknow spent Rs. 27 Crore on and it was visible that the wicketkeeper was frustrated during their last game against DC as he was seen having an animated chat with mentor Zaheer Khan in the dugout. Apart from these two men, the main point of discussion will be if MI can take revenge against LSG for their earlier loss in the season.In the match in Lucknow, MI lost by 12 runs at the end as the batters were unable to chase down 204



runs for the win. It was also the match where MI decided to retire out Tilak Varma, a controversial call at the time. Since then, MI have regained their form and have knitted together a four-match winning run and are back in the play-off spots. They're currently 4th on the table, but level on points with Lucknow, making this a massive 4-pointer.

MI vs LSG: Head to Head

When it comes to the head-to-head records, LSG are way ahead of MI. Both teams have played 7 matches so far and Lucknow lead it 6-1. **MI vs LSG: Team news** MI will be aiming to keep the winning momentum going and won't tinker around a lot with their team line-ups. An injury concern for Mumbai was Karn Sharma, who suffered a split webbing against SRH at home. Kieron Pollard, during the press conference, said that the veteran spinner has been training with the team over the past few days and a final call will be made on gameday.For LSG, all eyes will be on Mayank Yadav. The fiery pacer was on the impact subs bench for the loss to DC as he was deemed to be fit. It will be interesting to see if LSG will unleash him against MI at the Wankhede stadium.



Nora Fatehi

On Being Accepted By Indian Audience: ‘Something I Could Have Never Dreamt Of’

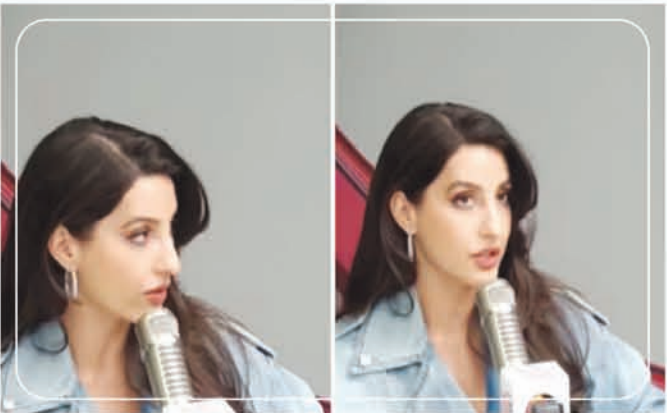
Nora Fatehi, known for her dance performances in popular songs like Dilbar, O Saki Saki and Ek Toh Kum Zindagani, as well as roles in films like Roar: Tigers of the Sundarbans and Street Dancer 3D, has a long and inspirational journey in Bollywood. The actress, who hails from Toronto, recently reflected back on her initial days in the industry. She also expressed her gratitude towards her Indian fans to accept her like their own. In a video shared on Instagram, featuring Nora Fatehi's candid conversation with Z100, the radio station in New York, revealed unknown anecdotes from her professional journey. She shared, "I'm from Toronto, born and raised, and my parents are Moroccan, North African. (I) left Toronto when I was 22-23, went to India to pursue a Bollywood career."

Revealing how she landed up in Bollywood, she continued, "With no ties to India, nothing. I just, I don't know what hit me that day, and I'm just like, I'm gonna do this. And picked up all my bags, moved to India, and started a long, hustling journey to make it in Bollywood."

Mid-way in the interview, the host also wondered if Nora's heart is in India. Nodding in a firm affirmation, she said, "You say 100% India. Of course, yeah. Because look, honestly, before I went to India, I was just Nora from Jane and Finch. Jane and Finch is like the hood in Toronto. And then I moved to India, and it was almost like a rebirth."

"They created Nora Fatehi. And the love and the affection I get from the audience of 1.3 billion people is insane. It's something I could have never dreamt of, and I owe everything to India and the South Asian community, because they've, even though I'm not Indian, they've accepted me like their own," she elaborated, expressing her heartfelt gratitude for the love and acceptance she received from the Indian audience.

Coming to her professional front, Nora Fatehi made her acting debut in 2014 with the film Roar: Tigers of the Sundarbans. Later, she appeared in a number of multi-language films, web series and shows like Temper, Baahubali: The Beginning, Kick 2, Double Barrel, Kayamkulam Kochunni, Bigg Boss, Jhalak Dikhhla Jaa and others.



Priyanka Chopra Turns Up The Heat In Swimsuit At Her LA House Infinity Pool



It's a lazy Saturday afternoon for Priyanka Chopra. The actor is enjoying an off day from work, doing everything she can to rejuvenate after hectic shoot days. After enjoying a swim at her Los Angeles house's infinity pool, the actor worked out at the gym and enjoyed some self-care time with sheet masks and hydra facials. Priyanka Chopra's Saturday carousal began with pictures from her pool session. Looking hot in a mustard-coloured swimsuit, the actor was seen taking a dip at her house pool. She was then seen working out at the gym, followed by facials and a relaxing massage. The last picture was of her glowing skin after a day full of pampering herself. "Various ways I self care when I can. What are your favorite self care routines? Happy Saturday," she wrote. Take a look at the pictures here:

Meanwhile, Priyanka Chopra plays a pivotal role in Heads Of State, as seen in the recently-released trailer. During the shoot, the actor would often share glimpses of her injuries that took place during the filming of fight sequences in the high-octane actioner. Sharing the official poster of the upcoming action-comedy Heads of State, Jonas enthusiastically wrote, "So pumped for this! @priyankachopra such a bada*s." Directed by Ilya Naishuller, the film features Priyanka alongside prominent actors Idris Elba and John Cena. Heads of State is slated to premiere on Prime Video on July 2. On Wednesday, the film's makers released its highly anticipated first trailer, offering a glimpse into the action-packed narrative.

Priyanka Chopra steps into the role of Noel Bisset, an MI6 agent who comes to the aid of John Cena and Idris Elba's characters after their diplomatic mission is violently interrupted mid-flight. She teams up with another crucial ally, played by Jack Quaid. The trailer teases Chopra's action-packed journey, showcasing her in adrenaline-fuelled sequences as she battles attackers and navigates life-threatening situations. The storyline revolves around her intense race against time to complete a critical, high-stakes operation.

Ranbir Kapoor 'Begged' Deepika Padukone For Another Chance After Cheating Multiple Times: 'I Caught Him Red-Handed'



It is no secret that Ranbir Kapoor and Deepika Padukone dated for a few years when they newly entered the Hindi film industry. However, after a whirlwind romance, their relationship came to a bitter end when Deepika caught the actor cheating on her. In an old interview quoted by Cosmopolitan, Deepika opened up about her heartbreak. Deepika said, as quoted by the publication, "If I'm going to be fooling around, why would I be in a relationship? It's better to be single and have fun. But not everyone thinks like that. Maybe that's why I've been hurt in the past. I was foolish enough to give him (Ranbir) a second chance because he begged and pleaded, despite the fact that everyone around me said he was still straying. Then I actually caught him red-handed. It took me a while to get out. But having done that,



nothing can make me go back. That ship has sailed."

She added, "The first time he cheated on me, I thought there was something wrong with the relationship, or me. But when someone makes a habit of it, you know the problem lies with him. I give a lot in relationships, and don't really expect much in return. But infidelity is the deal breaker. Once it comes in, respect goes away, trust goes away and these are the pillars of a relationship you can't f*ck around with it." "It made me realise I should not be so attached to one thing or a person – after the break-up, the fact that I had to pick myself up. I cried a lot after my break-up. But I have become a better person, and I thank him for that," Deepika concluded.

Years after their breakup, Deepika married Ranveer Singh, and Ranbir tied the knot with Alia Bhatt. The four now share a good friendship and are girl parents.



Malaika Arora

Turns Up The Heat In Latex Bodysuit, Sets Internet Ablaze

Malaika Arora knows how to command the spotlight—and she just did it again with her latest jaw-dropping look. The Bollywood diva sent the internet into a frenzy as she dropped a series of smouldering pictures and a reel from her recent photoshoot on Instagram, where she's seen channelling bold, unapologetic glamour like only she can. In the reel, Malaika is seen rocking a sleek, jet-black latex bodysuit that hugs her curves to perfection, accentuating her statuesque figure. The edgy, high-gloss outfit, featuring a daring front zipper detail, gave off major power-dressing vibes, while her thigh-high boots with deep maroon accents added a pop of dramatic flair. Her hair—styled straight and flowing—created a dynamic, cinematic effect as she twirled and posed against a spotlight, casting fierce shadows that amped up the overall aesthetic.

Malaika complemented her bold look with statement silver earrings and kept her makeup sultry yet sophisticated—think bold eyeliner, bronzed cheeks, and nude lips. Every frame captured her effortless confidence, proving once again why she's considered one of Bollywood's most timeless fashion icons. In a particularly captivating moment from the shoot, Malaika is seen striking powerful poses, flipping her hair with effortless drama, and flashing her signature

smouldering expressions. Whether she was caught mid-movement or holding a pose, her presence was magnetic and spellbinding. She captioned the post, "Meow." Fans couldn't get enough, flooding the comments section with fire emojis, hearts, and praises. Some hailed her as the "ultimate fashion queen," while others admired her for "redefining age and style like no one



else." Currently, Malaika is judging Hip Hop India 2 alongside choreographer Remo D'Souza. She has long been a fixture on various dance reality shows. Malaika was previously married to actor Arbaaz Khan, with whom she shares a son, Arhaan Khan. She was also in a high-profile relationship with Arjun Kapoor until their recent breakup.